अध्यक्ष ने कहा

राष्ट्रमंडल दिवस पर सामाजिक दायित्वों के निर्वहन से बड़ी कोई बात नहीं हो सकती । आप सभी विधायकों ने सामाजिक दायित्वों के निर्वहन में जो संवेदनशीलता दिखलाई है या जो समाज में प्रगतिशील विधायी कार्य होते हैं, जैसे शराबबंदी से संबंधित विधेयक, जिसको सोशल प्रोग्रेसिव लेजिस्लेशन कहते हैं और समाज को एकजुट होकर आगे बढ़ाने की बात होती है उसमें आप सबों ने जो दलीय सीमाओं से उठकर अपनी एकजुटता और संवेदनशीलता दिखलाई है वह काबिले तारिफ है । रक्तदान में भागीदारी और कैंसर जागरूकता अभियान के प्रति आपकी उत्सुकता और कुछ करने का ज़ज्बा वाली सकारात्मक छवि जनता के समक्ष सही रूप में जाय यह हमारी कोशिश होगी । उन्होनें रक्तदान के बाद कहा कि हमारे खून से किसी गरीब या जरूरतमंद की जान बचती है तो मैं अपने प्रयास को सफल मानूंगा ।

विधान सभा एनेक्सी में राष्ट्रमंडल संसदीय संघ की सामान्य वार्षिक बैठक में विधान सभा अध्यक्ष श्री विजय कुमार चौधरी ने ये बातें कहीं ।

राष्ट्रमंडल दिवस पर आयोजित कार्यक्रम : 2 अप्रील, 2016

राष्ट्रमंडल दिवस पर विधायकों ने किया सामूहिक रक्तदान

राष्ट्रमंडल दिवस के मौके पर आज बिहार विधान मंडल के दोनों सदनों के सदस्यों एवं पूर्व सदस्यों ने आज सामूहिक रूप से रक्तदान किया । विधान सभा परिसर स्थित एनेक्सी सभागार में राष्ट्रमंडल दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम का उद्घाटन विधान सभा अध्यक्ष श्री विजय कुमार चौधरी ने किया । इस दौरान वर्त्तमान मंत्रिपरिषद के कई मंत्रिगण, सभी दलों के विधायक एवं विधान पार्षद के अलावा पूर्व विधायकों ने भी रक्तदान में बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया ।

रक्तदान से कैंसर का खतरा कम होता है : तेजस्वी

उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने कहा कि रक्तदान से कैंसर का खतरा कम होता है । उन्होंने कहा कि हर 18 से 65 वर्ष के स्वस्थ व्यक्ति को रक्तदान करना चाहिए । इससे खून का हानिकारक तत्व, क्लोरीन, बसा आदि बाहर निकल जाते हैं । कैंसर अवेयरनेस कार्यक्रम के संबंध में उन्होंने कहा कि अगर हम जागरूक होंगे तो दूसरे लोगों को भी जागरूक कर पाएंगे ।

जागरूकता नहीं होने से लागों में देरी से होती है कैंसर की पहचान : प्रेम कुमार

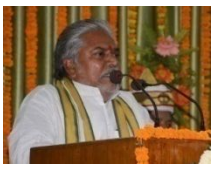

नेता प्रतिपक्ष प्रेम कुमार ने कहा कि कैंसर के प्रति जागरूकता नहीं होने से लोग समय पर इसका इलाज शुरू नहीं करवा पाते हैं । जागरूकता बढ़ाने में हम जनप्रतिनिधियों की विशेष रूप से जिम्मेदारी बनती है ।

रक्तदान महादान : श्रवण कुमार

राष्ट्रमंडल संसदीय संघ की बिहार इकाई द्वारा आयोजित रक्तदान कार्यक्रम की तारीफ करते हुए ग्रामीण विकास व संसदीय कार्य मंत्री श्रवण कुमार ने कहा कि इससे राष्ट्रमंडल संघ को भी एक नयी रोशनी मिलेगी । उन्होंने कहा कि विधायकों द्वारा किया जाने वाला रक्तदान, महादान है । इससे समाज में एक सकारात्मक संदेश जायेगा ।

NewsLetter Bihar Legislative Assembly

सामाजिक दायित्व की भावना में बढोत्तरी : सदानंद सिंह

कांग्रेस नेता एवं पूर्व विधान सभा अध्यक्ष श्री सदानंद सिंह ने कहा कि संसदीय प्रणाली जड़ता के दौर से गुजर रहा है । राष्ट्रमंडल संसदीय संघ की बिहार इकाई के रक्तदान कार्यक्रम और कैंसर पर आयोजित संगोष्ठी से सामाजिक दायित्व की भावना में और बढ़ोतरी होगी । राष्ट्रमंडल संघ को आम राय बनाकर ऐसे कायक्रमों को बढ़ावा दिया जाना चाहिये ।

संघ के कार्यों को समाज से जोड़ने का प्रयास :

पूर्व विधान सभा अध्यक्ष श्री उदय नारायण चौधरी ने कहा कि राष्ट्रमंडल संसदीय संघ संसदीय चर्चाओं के लिए गठित किया गया था । अब इस काम को विस्तार दिया जा रहा है । **-उदय नारायण चौधरी**

जन जागरूकता से ही घटेगा कैंसर का खतरा

जागरूकता से ही कैंसर का खतरा घटेगा । इसका इलाज संभव है । ये बातें राष्ट्रमंडल संसदीय संघ, बिहार शाखा द्वारा कैंसर जागरूकता पर आयोजित संगोष्ठी में विशेषज्ञों ने कहीं । कार्यक्रम में कैंसर अवेयरनेस सोसायटी के अध्यक्ष टी.पी. सिन्हा ने कहा कि कैंसर रोग के प्रति हमारी सोसायटी लोगों को जागरूक कर रही है । विश्व स्वास्थ्य संगठन

की रिपोर्ट के मुताबिक अगर कैंसर को रोकने का प्रयास नहीं किए गए तो वर्ष 2020 तक यह महामारी का रूप ले लेगा । बिहार में हर साल एक लाख लोग कैंसर से पीड़ित होते हैं । 70 हजार मौत तंबाकू जनित कैंसर से होती है । राज्य सरकार का तंबाकू से हर वर्ष करीब 250 करोड़ का राजस्व प्राप्त होता है, जबकि सरकार हर साल 1680 करोड़ रुपए कैंसर रोगियों पर खर्च करती है । डॉ० बी.पी. सिंह ने कहा कि देश को ओरल कैंसर का कैपिटल कहा जाता है और बिहार इसमें सबसे आगे है । कारण तंबाकू है । इसलिए "Tobacco control is the only answer".

जागरूकता से ही लग सकती है कैंसर पर रोक : डॉ. ए.ए. हई

देश के चर्चित सर्जन डॉ० ए.ए. हई ने कहा कि कैंसर लाइलाज नहीं है । इसे सर्जरी, कीमोथेरेपी या रेडियोथेरेपी से नहीं बल्कि जागरूकता से रोका जा सकता है । शनिवार को राष्ट्रमंडल संसदीय दिवस की बिहार शाखा द्वारा बिहार विधान मंडल दल के सदस्यों के लिए आयोजित संगोष्ठी में डॉ० हई ने कहा कि बिहार में दो तरह के कैंसर सबसे ज्यादा हैं-एक है गला, मुँह और फेफड़े का कैंसर जो पुरूषों में होता है और जो महिलाओं में सबसे ज्यादा होता है वह है बच्चेदानी के मुँह का कैंसर यानि सरवाईकल कैंसर । यह दोनों कैंसर प्रिवेन्टिव हैं । कैंसर को रोकने में चार चीजों का खयाल रखा जाना चाहिए एक-तंबाकू कंट्रोल, दूसरा-अल्कोहल कंट्रोल, तीसरा-मोटापे का कंट्रोल और चौथा-बैलेंस्ड डायट । इससे हम करीब-करीब 70% तक कैंसर को रोक सकते हैं और इसके लिए सबसे आवश्यक है, चाहे बच्चे हों या बड़े सबको कैंसर कैसे रोका जाय इसके प्रति जागरूक करना ।